E-resources and its utility in college libraries of Madhya Pradesh

मध्यप्रदेश के महाविद्यालय पुस्तकालय में ई-संसाधन और इसकी उपयोगिता

Ashish Kumarkori 1. Dr.Arun Modak 2

1 Researcher. Sri Sathya Sai University of Technology and Medical Sciences Sehore (MP)
2 directors. Sri Sathya Sai University of Technology and Medical Sciences Sehore (MP)

सारांश

पुस्तकालय सेवाएं शिक्षा प्रणाली का एक प्रमुख घटक हैं। यह आलेख पुस्तकालय में सेवाओं का वर्णन करने का प्रयास करता है। पुस्तकालयों का दर्जा मध्यप्रदेश के शिक्षा महाविद्यालयों का था। शिक्षा के महाविद्यालय और विश्वविद्यालयों से उनकी संबद्धता की सूची प्रदान करता है। साथ ही सरकारी/विश्वविद्यालय/निजीअध्ययन स्टाफ, फर्नीचर और ए.वी. उपलब्ध सहायता का अध्ययन उनके निर्माण और पुस्तकालयों के बजट, अन्य पहलुओं जैसे पुस्तकालय समिति, संचलन, जारी की गई पुस्तकों की संख्या आदि का अध्ययन किया गया है, इन महाविद्यालय के पुनरुद्धार के साथ अयस्क स्टाफ और धन प्रदान कर के निष्कर्ष निकाला गया है ।सुदूर क्षेत्रों में इलेक्ट्रॉनिक संसाधन आसानी से उपलब्ध हैं। इलेक्ट्रॉनिक संसाधन भंडारण की समस्याओं को हल करते हैं और सूचना की बाढ़ को नियंत्रित करते हैं। प्रिंट स्रोतों का डिजिटलीकरण किया जा रहा है । शैक्षिक समुदाय के लिए इलेक्ट्रॉनिक सूचना स्रोत अधिक से अधिक महत्वपूर्ण होते जा रहे हैं। प्रौद्योगिकी के आगमन ने पुस्तकालयों को अपने संग्रह में नई चीजें जोड़ने के लिए बनाया है। उनमें से सबसे प्रमुख ई-संसाधन है।

खोजशब्द:- एमपी। ई-लाइब्रेरी। इंटरनेट। लाइब्रेरी। एलआईएस....

---

1. परिचय

इंटरनेट को सूचना प्रसार के लिए एक समृद्ध, बहु-स्तरित जटिल कभी-कभी बदलते पाठ के रूप में माना जा सकता है और अंतरिक्ष की भौगोलिक सीमा के संबंध में व्यक्तियों और कंप्यूटरों के बीच सहयोगी बातचीत के माध्यम के रूप में माना जा सकता है [1]।इंटरनेट आज एक विश्वव्यापी इकाई है जिसकी प्रकृति को आसानी से या सरल रूप से परिभाषित नहीं किया जा सकता है। कई लोगों के लिए, इंटरनेट एक बड़ा संगणक नेटवर्क है जो हजारों व्यापार, सरकार, अनुसंधान, शैक्षिक और अन्य संगठनों से संबंधित विभिन्न देशों में कई साइटों पर लाखों छोटे संगणक को एक साथ जोड़ता है। इंटरनेट उपयोगकर्ताओंके लिए, इंटरनेट एक वैश्विक समुदाय है-एक बहुत सक्रिय जीवन के साथ। इलेक्ट्रॉनिक संसाधन प्रमुख सामग्री हैं और वे आज अधिकांश शैक्षणिक पुस्तकालय संसाधनों का एक सामान्य हिस्सा बन गए हैं। इंटरनेट और इसका सबसे अधिक उपयोग किया जाने वाला घटक, वर्ल्ड वाइड वेब (डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू) व्यापक कवरेज और सबसे तेज़ पहुँच के साथ सूचना का सबसे बड़ा स्रोत बन गया है । यह वैश्विक संचार और सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए सबसे शक्तिशाली उपकरण है। शैक्षिक केंद्रों में विद्वानों की ई-संसाधनों पर निर्भरता काफी हद तक बढ़ गई है। [2] एक सूचना साहित्य शोधकर्ता को अपने शोध कार्य के लिए ई-संसाधनों का उपयोग करना सुविधाजनक लगता है। ई-संसाधन पुस्तकालयों को सस्ती कीमत पर और कम से कम समय में बड़ी संख्या में संसाधनों का लाभ प्राप्त करने की सुविधा प्रदान करते हैं। इसके अलावा, प्रौद्योगिकी ने शोधकर्ताओं की अपेक्षाओं, उनके धैर्य और मांग पर उपलब्ध सेवाओं को स्वीकार करने की उनकी इच्छा को बदल दिया है। ई-संसाधन उपयोगकर्ताओं की अपेक्षाओं का उत्तर हैं। पुस्तकालय 1970 के दशक से जनगणना और सर्वेक्षण डेटा जैसे डेटा सेट तक पहुंच प्रदान करते हैं। 1980 के माइक्रो संगणक क्रांति के दौरान, पुस्तकालयों ने डिस्केट-रोम पर सॉफ्टवेयर और डेटा हासिल करना शुरू किया, जिसमें पूर्ण पाठ शामिल था। खोज इंटर फेस अधिक सरल और उपयोग में आसान हो गए। ऑनलाइन कैटलॉग अधिक आम हो गए, और पुस्तकालयों ने उन्हें 1990 मेंअपने-वर्ल्ड वाइड वेब के माध्यम से पेश करना शुरू कर दिया। [3] 1992 में मोज़ेक ब्राउज़र के बाद के विकास ने 1993 में वेब के व्यापक उपयोग की शुरुआत की। ग्राफिकल इंटरफ़ेस और बाद में याहू जैसे वेब सर्च इंजन का विकास! इंटरनेट पर संसाधनों को औसत संरक्षकों के लिए अधिक सुलभ बनाया गया वेब आधारित इलेक्ट्रॉनिक संसाधन 1990 के मध्य की

शुरुआत से व्यापक रूप से उपलब्ध थे। पुस्तकालयों ने वेब के माध्यम से वेब-आधारित कैटलॉग, ग्रंथसूची और पूर्ण-पाठ डेटाबेस, इलेक्ट्रॉनिक पत्रिकाओं और अंततःइलेक्ट्रॉनिक पुस्तकों की पेशकश की ।संरक्षकों को अब अपने शोध का एक महत्वपूर्ण हिस्सा करने के लिए पुस्तकालय नहीं जाना पड़ता था, क्योंकि यह अधिक कुशल था और उनकी पहुंच और खोज को आसान बनाता था। पुस्तकालयों द्वारा इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों की खोज पुस्तकालय विज्ञान के मूल मूल्यों से प्रेरित थी। रंगनाथन के पुस्तकालय विज्ञान के पांच नियमों में उस प्रेरणा को पहचानना संभव है जिसने पुस्तकालयों को इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों को सेवाओं और संग्रह में शामिल करने के लिए प्रेरित किया। [4] 20वीं शताब्दी के दौरान पुस्तकालय इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों में प्रत्येक तकनीकी विकास का उद्देश्य संसाधनों तक पहुंच को अधिक प्रत्यक्ष, सुविधाजनक बनाना था, एएसीआर 2, 2005 अपडेट के अनुसार, एक इलेक्ट्रॉनिक संसाधन है: "सामग्री (डेटाऔर/याप्रोग्राम (एस))) संगणक उपकरण द्वारा हेरफेर के लिए एन्कोडेड। इस सामग्री के लिए संगणक डिवाइस (जैसे, सीडी-रोमड्राइव) से सीधे जुड़े एक परिधीय के उपयोग या संगणक नेटवर्क (जैसे, इंटरनेट) से कनेक्शन की आवश्यकता हो सकती है।"

1.1 ई-संसाधनोंकीआवश्यकता

ई-संसाधन पुस्तकालयाध्यक्ष को उपयोक्ता समुदाय को बेहतर सेवा प्रदान करने में सक्षम बनाते हैं। कुछ महत्वपूर्ण बिंदुओं का उल्लेख नीचे किया गया है;

a.एक से अधिक उपयोगकर्ताओं द्वारा सूचना स्रोत तक पहुँच प्राप्त करना।
b.ई-संसाधनों को शीघ्रता से खोजा जा सकता है।
c.इन्हें यूजर आसानी से ढूंढ सकता है।
d.इन संसाधनों को भारी मात्रा में संग्रहित किया जा सकताहै।
e.ई-संसाधनों के उपयोग पर खर्च किया गया समय।
f.प्रतिवादी द्वारा ई-संसाधनों के उपयोग के उद्देश्य का विश्लेषण करता है
gउत्तरदाताओं द्वारा आमतौर पर उपयोग किए जाने वाले विभिन्न प्रकार के ई-संसाधनों के बारे में जानें
hडिजिटल रूप में जानकारी एकत्र करने, संग्रहीत करने, व्यवस्थित करने के लिए

1.1.1 पुस्तकालय और सूचना सेवाओं पर ई-संसाधनों का प्रभाव

इंटरनेटई-संसाधन पुस्तकालय प्रणाली को बदल रहे हैं और साथ ही जिस तरह से हम सूचना स्रोतों को देखते हैं। इसने सूचना स्रोतों की सरल और त्वरित खरीद की है, पुस्तकालयाध्यक्षों को पुस्तकों, पत्रिकाओं और इलेक्ट्रॉनिक प्रकाशनों तक त्वरित पहुंच की आवश्यकता है । इंटरनेट एक्सेस सभी पुस्तकालयों के कैटलॉग के दस्तावेज़ीकरण और इंटर फ़ेस तक पहुँचने और अद्यतन करने के लिए सरल और कुशल तरीका है। [5] इंटर लाइब्रेरी लोन (आई एल एल) के लिए अनुरोध ई-मेल के माध्यम से भेजा जा सकता है और फोटोकॉपी दस्तावेजों को स्कैन करने के बाद ई-मेल के माध्यम से डाक फैक्स द्वारा भेजी जा सकती है।

हाल के दिनों में अधिकांश पुस्तकालय संसाधनों को इलेक्ट्रॉनिक स्वरूपों जैसे ई-जर्नल्स, ई-बुक्स, डेटा बेस इत्यादि में उपलब्ध कराया जा रहा है। पुस्तकालय प्रिंट से ई-संसाधनों की ओर बढ़ रहे हैं या तो व्यक्तिगत रूप से या कंसोर्टिया के माध्यम से सदस्यता ले रहे हैं क्योंकि इससे अधिकलाभ होता है। प्रिंट संसाधन । हाल के अध्ययनों से पता चलता है कि उपयोगकर्ता प्रिंट की तुलना में ई-जर्नल पसंद करते हैं। चूंकि हाल के वर्षों में लाइसेंसिंग इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों में काफी वृद्धि हुई है, इसलिए पुस्तकालयों ने इस जानकारी को पेपर फाइलों, एकीकृत पुस्तकालय प्रणालियों, स्थानीय कंप्यूटर या नेटवर्क पर संग्रहीत अलग डेटा बेस में नियंत्रित करने के लिए संघर्ष किया है।

1.2 ई-संसाधनों तक पहुँचने की समस्या

ई-संसाधनों का उपयोग करने के लिए आवश्यक सुविधाओं के उपयोग में कुछ समस्याएं और सीमाएं हैं, वे प्रासंगिक जानकारी खोजने में कठिनाई हैं, देखने में लंबा समय लगता है, धीमी पहुंच, डिजिटल संसाधनों का उपयोग करने में कठिनाई, कंप्यूटर तक सीमित पहुंच, समय की कमी, और कंप्यूटर वायरस आदि [6]

1.प्रासंगिक जानकारी खोजने में कठिनाई
2.देखने में लंबा समय
3.धीमी पहुंच
4.डिजिटल संसाधनों का उपयोग करने में कठिनाइयाँ
5.कंप्यूटर तक सीमित पहुंच
6.समय की कमी
7.वायरस

1.3 विश्व स्तर पर उपलब्ध विभिन्न प्रकार के ई-संसाधन

ई-संसाधनों के प्रकार विवरण

• ई-बुक: एक मुद्रित संस्करण का एक ई-कथन जिसका अनुवाद संगणक या विशेष रूप से निर्मित पोर्टेबल डिवाइस पर किया जा सकता है।

• ई-जर्नल: एकई-जर्नल, जिसे ऑनलाइन जर्नल्स और ई-सीरियल्स के रूप में भी जाना जाता है, मूल रूप से पूर्ण टेक्स्ट है, जो ई-फॉर्मेट में उपलब्ध है।

• ई-समाचार पत्र: अक्सर एक ऑनलाइन समाचार पत्र या डिजिटल समाचार पत्र के रूप में जाना जाता है जो वर्ल्ड वाइड वेब या इंटरनेट पर दिखाई देता है, एक ई-अखबारहै।

•ई-पत्रिकाएँ: ई-पत्रिकाया इलेक्ट्रॉनिक पत्रिका विश्वव्यापी वेब पर वितरित एक ऑनलाइन पत्रिका है। कुछ ऑनलाइन पत्रिकाओं को वेबज़ीन कहा जाता है।

• ऑनलाइन अनुक्रमण और सारडेटाबेस:

• ये संदर्भस्रोत हैं जिनमें पत्र-पत्रिकाओं के सार सहित जर्नल ग्रंथ सूची सामग्री शामिल है।

• ऑनलाइन पूर्ण पाठ डेटा बेस: पूर्ण-पाठ डेटा बेस एक संग्रह के रूप में दस्तावेजों या कुछ अन्य सामग्री का एक संग्रह है जहां आप प्रत्येक संदर्भित दस्तावेज़ के पूर्ण पाठको ऑनलाइनपढ़, प्रिंट या एक्सेस कर सकतेहैं।

• ऑनलाइन संदर्भ डेटाबेस: विभिन्न विक्रेताओं और प्रकाशकों के पास अब इलेक्ट्रॉनिक रूप में सूचना के विभिन्न बिंदु उन के रिपॉजिटरी और वेबसाइटों जैसे कि वार्षिक पुस्तक शब्दकोश, विश्व को शसेट के माध्यम सेहैं। [7]

• डिजिटलइमेजकलेक्शन: एकई-इमेज एक फोटो ग्राफिक डिवाइस है जो एक सेंसर का उपयोग करता है जो एक इमेज को इलेक्ट्रॉनिक सिग्नल में बदलने के लिए कैमरा लेंस के पीछे लगा होता है जिसे वीसीआर या वीडियो डिस्क पर प्लेबैक के लिए डिस्क या मैग्नेटिक टेप पर स्टोर किया जा सकता है।एक टेलीविजन पर खिलाड़ी और प्रदर्शन।

• ई-थीसिस और निबंध: यह एक इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेज है जो एक विशिष्ट विषय क्षेत्र में विद्वानों द्वारा किए गए बौद्धिक कार्यों या शोध का वर्णन करता है और एक निश्चित अवधिको परिभाषित करता है। ऐसे दस्तावेज़ निस्संदेह अत्यंत मूल्यवान संग्रहहैं, विशेष रूप से डिजिटल प्रारूप में, जो एक डिजिटल पुस्तकालय के एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में योग्य हैं।

• ई-क्लिपिंग: ई-क्लिपिंग का मुख्य उद्देश्य नई वस्तुओं को पूर्व व्यापी रूप से स्कैन करना और उनका पूर्ण मूल्यांकन करना है। यह केवल नई छवियां प्राप्त करने के लिए क्लिक कर के उपयोगकर्ताओं की सहायता करता है।

• ई-पेटेंट: शब्द पेटेंट आमतौर पर किसी ऐसे व्यक्ति को दिए गए एक विशेष अधिकार को संदर्भित करता है जो किसी भी नई, उपयोगी और गैर-स्पष्ट प्रक्रिया, प्रणाली, निर्माण की वस्तु या विषय वस्तु की संरचना या किसी नए और उपयोगी विकास का आविष्कारकरताहै, और दावा करता है कि औपचारिक पेटेंट आवेदन में अधिकार

• ई-मानक: मानक निर्णित निर्गतमान कहैं, या किसी कार्यक्रम को चलाने के लिए एकस्वीकृत ढांचा है। व्यावसायिक मानक स्थापित और सहमत तरीकों के अनुसार सामग्री और उत्पादों के निर्माण, विवरण, गणना या परीक्षण को निर्धारित करते हैं।

1.4 मध्यप्रदेशमेंसबसेबड़ापुस्तकालय

आईटीएम विश्वविद्यालय का पुस्तकालय राज्य के सबसे बड़े पुस्तकालय स्थान में से एक है। विश्वविद्यालय बड़ी संख्या में पुस्तक और ऑनलाइन संसाधनों के साथ पुस्तकालय को लगातार दोनों तरीकों (प्रिंट और ऑनलाइन) से समृद्ध कर रहा है। विश्वविद्यालय द्वारा 45 पीसी संलग्नक के साथ डिजिटल पुस्तकालय विकसित किया गया है। मल्टी मीडिया कक्ष विशेष रूप से वेब व्याख्यानों, पत्रिकाओं औरई-सामग्री के ऑनलाइन भंडारण के लिए समर्पित है।

विभिन्न पत्रिकाओं, पुस्तकों, पत्रिकाओं और समाचार पत्रों के संदर्भ अनुभागों के साथ सुव्यवस्थित विशाल वाचनालय उपलब्ध हैं। आईटीएम विश्वविद्यालय में पुस्तकालय ई-ग्रंथालय पुस्तकालय प्रबंधन सॉफ्टवेयर की मदद से पूरी तरह से कम्प्यूटरीकृत है। एकीकृत ज्ञानसंसाधन केंद्र जिनमें 93,297 से अधिक पुस्तकें हैं; अकादमिक अध्ययन और शोध सामग्री के सभी पहलुओं को कवर करने वाली पत्रिकाएं, संदर्भ, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाएं। इसके अलावा, पुस्तकालय में प्रबंधन, वास्तुकला, फार्मेसी, जीवनविज्ञान, कृषि, नर्सिंग, शिक्षा, कानून, कला और डिजाइन शारीरिक शिक्षा, इंजीनियरिंग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी से संबंधित विषयों पर समाचार पत्रों, पत्रिकाओं और पत्रिकाओं का एक स्थिर प्रवाह है। [8]] इस के अलावा, नवीनतम तकनीकी विकास के प्रदर्शन के लिए वीडियो व्याख्यान का एक अच्छा संग्रह भी उपलब्ध है। आईटीएम विश्व विद्यालय केंद्रीय लाइब्रेरीएनडीएल (नेशनलडिजिटललाइब्रेरी) और डेलनेट (डेवलपिंग लाइब्रेरी नेटवर्क) का भी सदस्य है। छात्र और संकाय एन डी एल और डेलनेट के सदस्य हैं, जो उन्हें पत्रिकाओं, ई-पुस्तकों, कक्षा नोट्स और विषय अध्ययन सामग्री आदि तक आसान पहुंच की अनुमति देता है।

2. साहित्य की समीक्षा

हो सैनी (2017) [9] ने 'इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों के उपयोग और प्रभाव: दो चयनित अकादमिक पुस्तकालयों पर एक अध्ययन 'पर एक रिपोर्ट का आयोजन किया। इस शोध में जिस पद्धतिका प्रयोग किया गया है वह प्राथमिक एवं द्वितीयक आँकड़ों का संकलन है। सर्वेक्षण प्रश्नावली के मा ध् म से प्राथमिक डेटा एकत्र किया गया और शोध के पिछले कार्यों के माध्यम से माध्यमिक डेटा संग्रह। यह शोध उपयोगकर्ताओं पर इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों के प्रभाव के अध्ययन पर भी केंद्रित है।इस प्रकार

हो सैनी (2017) [10] ने निष्कर्ष निकाला है कि अंतर्ज्ञानी पुस्तकालयों में ई-संसाधन अभी भी दिन-ब-दिन उच्च होते जा रहे हैं। यह देखा गया है कि पुस्तकालय में ई-संसाधनों को पुस्तकालय में पारंपरिक पुस्तकों पर ले लिया जाता है। यह भी देखा गया है कि ई-संसाधनों के उपयोग के पक्ष और विपक्ष भी हैं।

आनंदा (2017) [11] ने" टी जॉन कॉलेज, बैंगलोर के यूजी और पीजी छात्रों के बीच इलेक्ट्रॉनिक सूचना संसाधनों के उपयोग और जागरूकता: एक अध्ययन "पर एक अध्ययन किया। अध्ययन से पता चलता है कि 81 प्रतिशत ने कहा कि वे इलेक्ट्रॉनिक सूचना संसाधनों के बारे में जानते हैं और 19 प्रतिशत ने कहा कि वे इलेक्ट्रॉनिक सूचना संसाधनों के बारे में नहीं जानते हैं। इलेक्ट्रॉनिक सूचना सेवाओं के छात्र उपयोग का मुख्य उद्देश्य परियोजना अनुसंधान है।

आदित्यएटअल (2011) [12] ने कर्नाटक के सात विश्वविद्यालय पुस्तकालयों में संदर्भ स्रोत संग्रह, यानी हैंडबुक और मैनुअल, ग्रंथ सूची, शब्दकोश, विश्वकोश, आत्मकथाएं, निर्देशिकाएं, वार्षिक पुस्तकें और पंचांग, भौगोलिक स्रोत, अनुक्रमण और सार स्रोतों का अध्ययन किया।

एलिसन एट अल (2012) [13] विश्लेषण ने संकेत दिया कि प्रासंगिक और पर्यावरणीयकारकों का एक-संसाधन के उपयोग पर प्रभाव पड़ता है। छात्रों और शिक्षकों की व्यक्तिगत विशेषताओं जैसे कारकों ने उनके इंटरनेट केउपयोग को प्रभावित किया। हालांकि, ऐसे अन्यकार कभी थे जो ई-संसाधनों के उपयोग को प्रभावित करते हैं, जैसे खराब खोज कौशल और उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध संसाधनों की सीमित संख्या। मुख्य रूप से कम और चौड़ाई के कारण इंटरनेट जानकारी तक पहुंच की धीमी गति इंटरनेट संसाधनों के खराब उपयोग के मुख्य कारणों में से एक थी। यह पता लगाना दिलचस्प था कि इन और अन्यकारकों ने युगांडा की सेटिंग में उपयोग को कैसे प्रभावित किया।

चंदेल (2012) [14] ने ई-संसाधनों के आगमन को प्रस्तुत किया और उनके बढ़ते उपयोग ने पुस्तकालय के परिदृश्य को भौतिक से आभासी में बदल दिया है। उपयोगकर्ताओं की प्राथमिकताएं ई-संसाधनों और आभासी पुस्तकालयों के लिए अधिक होती हैं जिनमें भौतिक पुस्तकालयों के लिए बहुत कम आकर्षण होता है। ई-संसाधनों के असंख्य लाभों के बावजूद, उनके अधिग्रहण, रखरखाव, प्रबंधन आदि से संबंधित कुछ समस्याएं भी हैं।

उद्देश्यों

- विभिन्न प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों के उपयोग का अध्ययन करना
- ई-संसाधनों के उपयोग की आवृत्तिका अध्ययन करना
- ई-संसाधनों की उपयोगिता का अध्ययन करना
- पुस्तकालयपरई-संसाधन के प्रभाव का अध्ययन करना

3. अनुसंधान क्रिया विधि

एक शोध पद्धति डेटा संग्रह, डेटा मूल्यांकन और अध्ययन के निष्कर्षों के आधार पर परिणामों के माध्यम से एक अध्ययन विषय को संबोधित करने का एक सार्वभौमिक तरीका है। एक शोध तकनीक एक शोध अध्ययन करने की एक योजना है। किसी भी क्षेत्र में ज्ञान की उन्नति के लिए तथ्यों और सूचनाओं का व्यवस्थित संग्रह और विश्लेषण अनुसंधान के रूप में परिभाषित किया जा सकता है। अध्ययनकालक्ष्यबौद्धिक और व्यावहारिक समस्याओं के समाधान खोजने के लिए व्यवस्थित तकनीकों का उपयोग करना है। शोध में विश्लेषणात्मक और वर्णनात्मक विधियों को लागू करने के लिए उपलब्ध माध्यमिक स्रोतोंका एक करीबी पठन और विस्तृत विश्लेषण। पाठ्य विश्लेषण को विस्तृत करने के लिए अन्यधारणाओं को प्राप्त करना महत्वपूर्ण है और इसके लिए कुछ माध्यमिक सामग्रियों के करीबी पढ़ने के विश्लेषण की आवश्यकता होगी।

4. परिणाम और चर्चा

ई-संसाधनों की उपयोगिताएँ आज कल पठन सामग्री और सूचना स्रोत प्रिंट से इलेक्ट्रॉनिक में बदल रहे हैं।

तालिका१. ई-संसाधनों की उपयोगिताएँ

क्रमांक.	ई-सूचना सेवाएं	संक्षिप्ताक्षर
1	वर्तमान जागरूकता सेवाएं	सीएएस
2	सूचना का चयनात्मक प्रसार	एसडीआय
3	ई-दस्तावेज़ वितरण सेवाएं	इडीडीएस
4	ऑनलाइन पब्लिक एक्सेसकैटलॉग	ओपीएसी
5	वर्तमान जागरूकतासेवाएं	सीएएस
6	मोबाइल पुस्तकालय	एम-पुस्तकालयों

तालिका२. ई-संसाधनोंकीआवृत्तिकाउपयोगकरना

क्रमांक	साधन	दिनमेंएकबार		हफ़्तेमेंएकबार		महीनेमेंएकबार		कभी-कभार	
१	ई-पुस्तकें	५१	२३.६१	६२	२८.७०	४८	२२.२२	५५	२५.४६
२	ई-पत्रिकाओं	४७	२१.७६	७७	३५.६५	२५	११.५७	६७	३१.०२
३	ऑनलाइन संसाधन	३२	१४.८१	५८	२६.८५	६२	२८.७०	६४	२९.६३
४	सीडी-रोमडेटाबेस	७२	३३.३३	६३	२९.१७	६५	३०.०९	१६	७.४१
५	मल्टीमीडिया संसाधन	८७	४०.२८	५२	२४.०७	५५	२५.४६	२२	१०.१९

तालिका **2** से पता चलता है कि ई-संसाधनों के बारे में उपयोगकर्ता की राय। **62** उत्तरदाताओं **(28.70%)** सप्ताह में एक बार ई-पुस्तकों का उपयोग करते हैं**, 77** उत्तरदाताओं **(35.65%)** सप्ताह में एक बार ई-पत्रिकाओं का उपयोग करते हैं**, 64** उत्तरदाताओं **(29.63%)** ने ऑनलाइन संसाधनों का उपयोग शायद ही कभी किया है**, 72** उत्तरदाताओं **(33.33%))**दिन में एक बार सीडी- रोम डेटा बेस का उपयोग करते हैं और **87** उत्तरदाताओं **(40.28%)** दिन में एक बार मल्टीमीडियासंसाधनों का उपयोग करते हैं ।**[16]**

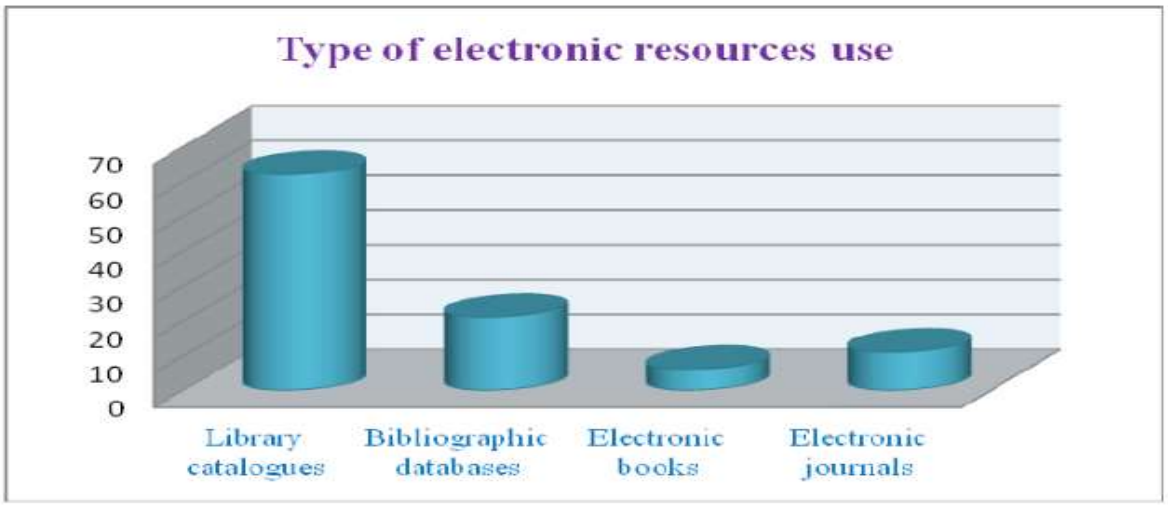

चित्र। **1** प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों का उपयोग

उत्तरदाताओं का विश्लेषण करते हुए**,** यह पाया गया है कि**,** अधिकांश उपयोगकर्ता **62.0** प्रतिशत इलेक्ट्रॉनिक पत्रिकाओं का उपयोग करना पसंद करते हैं**,** दूसरे सबसे अधिक उपयोगकर्ता **21.0** प्रतिशत इलेक्ट्रॉनिक पुस्तकों का उपयोग करतेहैं**, 11.0** प्रतिशत उपयोगकर्ता पुस्तकालय कैटलॉग का उपयोग करते हैं और सबसे कम **6.0** प्रतिशत उपयोगकर्ता ग्रंथ सूची डेटा बेस का उपयोग करते हैं। **[17]** यहाँ यह पाया गया है कि अधिकांश उपयोगकर्ता पुस्तकालय सूची**,** ग्रंथ सूची डेटा बेस और ई-पुस्तकों के बजाय ई-पत्रिकाओं का उपयोग करते हैं। चित्र **1** देखें।

4. निष्कर्ष

ई-संसाधनों का कार्यान्वयन पुराने मानक के लिए सटीक साबित होता है कि प्रत्येक पाठक को किसी भी समय जानकारी प्राप्त करनी चाहिए । ई-संसाधन का उपयोग संपूर्ण और सटीक जानकारी सुनिश्चित करने में सहायक होता है। ई-संसाधन उपयोगकर्ता और पुस्तकालय प्रबंधन के लिए स्वयं को विभिन्न खोज विकल्प प्रदान करते हैं । ई-संसाधनों का उपयोग पुस्तकालय को पुस्तकालय की जगह और उपयोगकर्ताओं के समय को बचाने में सक्षम बनाता है। .ई-संसाधन पुस्तकालयों के साथ-साथ समाज के प्रत्येक उपयोगकर्ता के लिए उपयोगी हैं जोदु नियाभर में विभिन्न प्रकार की जानकारी प्राप्त करने के लिए भूख से मर रहे हैं। सूचना और संचार प्रौद्योगिकी सेवाओं में विकास वर्तमान में पुस्तकालय संचालन में किए गए अद्भुत परिवर्तनों में उपलब्ध है । इसके फायदे टेक्नोक्रेट के लिए हैं**,** इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के उपयोग से उपयोगकर्ता के ज्ञान में सुधार होता है। ई-मेल और आर एस एस अलर्ट व्यक्ति को उपयोगकर्ता के बारे में जागरूक होने के लिए जानकारी देते हैं । उच्च गति नेटवर्क**,** परिसर में वाई-फाई**,** परिसर में उपयोग बिंदुओं के विभिन्न अधिकारों पर लैन पोर्टल और विभागों में भी प्रभावी ढंग से अभ्यास में सुधार के लिए बुनियादी ढांचे में वृद्धि तैयारकीजासकतीहै।

संदर्भ

1.अकपोगोम। यू.टी. और इडिएग बेयन। ओ.जे. (**2010**)।लॉ रिसर्च में डिजिटल लाइब्रेरी का ओले**,**पुस्तकालय और सूचना विज्ञान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल। **2(6)**। **108-113**

2. अरोड़ा। जे.। त्रिवेदी। के.जे. और केंभवी। ए. (**2013**)।सदस्य विश्वविद्यालयों के शोधउत्पादन पर यूजीसी-इन्फोनेट डिजिटल लाइब्रेरी कंसोर्टियम के माध्यम से ई-संसाधनों तक पहुंच का प्रभाव।करंट साइंसजर्नल। **104 (3** और **10)**। **1-9**।

3.टेलर और फ्रांसिस समूह (**2013**) मुफ्त ऑनलाइन संसाधनों तक पहुंच की सुविधा: पुस्तकालय समुदाय के लिए चुनौतियां और अवसर**,**जनवरी। **2017** को **http://explore.tandfonline.com/lmt/discoverability** सेलियागया।

4.ओन वुचेकवा। ई.ओ. औरजेगेडे। ओ.आर. (**2011**) पुस्तकालयों और सूचना केंद्रों में सूचना पुन र्प्राप्तिके तरीके एक अंतर्राष्ट्रीय बहु विषयक जर्नल। **5 (23)**। **27-35**

5.बैलेस्टे आर**,** रसेलजी (**2003**) वर्चुअल संदर्भ लागू करना: पुस्तकालयों में वास्तविक जीवन कंप्यूटर में हॉलीवुड प्रौद्योगिकी **21** जुलाई**,2008** को एक्सेस किया गया**, http://www.ilrx.com/features/legaldigital.htm**।

6.कैंडे ला एल (**2007**) डिजिटल लाइब्रेरी की नींव की स्थापना डी-लिब पत्रिका एं मार्च/अप्रैल **2007**।वॉल्यूम और पेज नंबर क्याहै **?**

7.वाई. चेन। ली ब्रारी पर इंटरनेट का प्रभाव: कुछ व्यक्तित्व अवलोकन। लाइब्रेस। **8(1)(1998)**।उपलब्ध: **http://libr es.curtin.edu.au/l ibre8n1/c hen.htm (**एसीसीनिबंधएड **15** सितंबर **2011)**

8.एमेका यू.जे. औरन्येचे। ओ.एस. **(2016),** अंडरग्रेजुएट छात्रों के अकादमिक प्रदर्शन पर इंटरनेट के उपयोग का प्रभाव: अबूजा विश्वविद्यालय नाइजीरिया का एक केस स्टडी,इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक एंड इंजीनियरिंग रिसर्च। **7(10)**। पीपी.**1018-1029. 26** नवंबर। **2017** को **https://www.ijser.org/researchpaper/Impact-ofInternet-Usage-on-the-Academic-Performance-of-Undergrads-Students** से प्राप्त किया गया, -अकेस – स्टडी – ऑफ – द – यूनिवर्सिटी – ऑफ – अबूजा -- नाइजीरिया.पीडीएफ

9.बेन वाई,ए और दहमानी, एम, **(2008)** उच्च शिक्षा में छात्र के प्रदर्शन पर आई सीटी का प्रभाव: प्रत्यक्ष प्रभाव। अप्रत्यक्ष प्रभाव और संगठनात्मक परिवर्तन।इन: "दइकोनॉमिक्सऑफएलर्निंग"रेविस्टाडीयूनिवर्सिडेडवाईसोसिदादडेलकोनोसिमिएंटो (आरयूएससी)। **5 (1)**। **5** फरवरी **2018** कोपुनर्प्राप्त: यूओसी<**http://www.uoc.edu/rusc/5/1/dt /eng/benyoussef_dahmani.pdf**

10.ओवसु-अंसाह। सी.एम.। रोड्रिग्स। ए.डी.एस.। औरवॉल्ट। टी.बी.वी.डी. **(2019)**।डिजिटल पुस्तकालयों को दूरस्थ शिक्षा में एकीकृत करना: मॉडलों। भूमिकाओं और रणनीतियों की समीक्षा

11.इंदिरम्मा। वाई।। औरसु गुनवती। जी। **(2019)**।पारंपरिक पुस्तकालय से डिजिटल पुस्तकालयों का निर्माण: पुस्तकालय संसाधनों का डिजिटलीकरण-भारतीय परिदृश्य में एक चुनौती,पुस्तकालय विज्ञान में प्रगति के जर्नल। **6(2)**। **31-37**

12.डी. हे। एम. माओऔरवाई. पेंग। डिलाइट: डिजिटल लाइब्रेरी आधारित ई-लर्निंग एन वायरन में टफॉर लर्निंग डिजीटल लिब्रारीज़। यहां उपलब्ध है: **http://www.sis .pitt.edu/~daqi ng/docs/di lightelearnfi nal.pdf (**एक्सेसएड **26** अगस्त **2011)**

13.पात्रा। पी.एस. और नाहक। बी. **(2014),**डिजिटल पुस्तकालयों और डिजिटल संरक्षण की योजना, डिजाइन और विकास। **[30]** पवनी ए.एम. (**2007** सितंबर)।उच्च शिक्षा में डिजिटल पुस्तकालयों की भूमिका इंजीनियरिंग शिक्षा पर अंतर्राष्ट्रीयसम्मेलन में रियोडीजनेरियो, ब्राजील। **http://www.** अयोग्यओआरजी/इवेंट्स/आईसीईई**2007**/पेपर्स/**637.** पीडीएफ।

14.पीटर्स। डी।। ब्रेनज़िंगर। एम।। मेयर। आर।। नोबल। ए।। औरज़िमर। एन। **(2015)**।अफ्रीकी सांस्कृतिक विरासत के पुन: शिला लेख में डिजिटल पुस्तकालय आई एफ एल एजर्नल। **41(3)**। **204-210**।

15.राणे। एम. वाई. **(2015)** डिजिटल पुस्तकालय: एक व्यावहारिक दृष्टिकोण ,इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी एप्रोच एंडस्टडीज। **2(1)**। **142-150.**